प्रेस वार्ता

पिछले 22 बर्षों से भोपाल में यूनियन कार्बाइड गैस पीड़ितों को निःशुल्क इलाज, शोध कार्य, सामुदायिक स्वास्थ्य आदि सुविधाऐं मुहैया कराने वाली संस्था सम्भावना ट्रस्ट ने आज पत्रकार वार्ता में गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य एंव इलाज की स्थिति पर शोध अध्ययन पेश किया।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ मृत्युंजय माली ने कहा कि गैस काण्ड में गम्भीर रूप से प्रभावित बस्तियों के 2200 से अधिक व्यक्तियों और गैस काण्ड से अप्रभावित 953 व्यक्तियों पर किया गया शोध यह दर्शाता है कि पीड़ितों में मृत्यु का दर अपीड़ितों कि तुलना में 28 प्रतिशत् अधिक है यह अध्ययन यह भी दर्शाता है कि गैस पीड़ितों में कैंसर, टी.बी. एंव फेफड़ों के रोगों कि वजह से मौतों की दर अपीड़ितों की तुलना में दुगनी हैं और किडनी की वजह से 3 गुना ज्यादा मौतें गैस पीड़ितों में अपीड़ितों की तुलना में ज्यादा है।

सामुदायिक शोधकर्मी तस्नीम ज़ैदी ने कहा कि गैस पीड़ितों में अपीड़ितों की अपेक्षा 63 प्रतिशत् लोग अधिक बीमार है अपीड़ितों की अपेक्षा गैस पीड़ितों में सांस की तकलीफ, घबराहट, सीने में दर्द, चक्कर, जोड़ों में दर्द आदि समस्याऐं ज्यादा पायी गई हैं।

सामुदायिक शोधकर्मी सन्तोष क्षत्रीय ने कहा की शोध में यह भी सामने आया की अपीड़ितों की अपेक्षा गैस पीड़ितों के बीमार होने पर 30 प्रतिशत् लोगों का अधिक इलाज लेना पाया गया हैं।

सामुदायिक शोधकर्मी फरहत जहां ने कहा की शोध के निष्कर्ष के तौर पर गैस पीड़ितों में जारी मौतों के मददे् नजर सरकार द्वारा मौतों के पंजीकरण की व्यवस्था करनी चाहिए पीड़ितों में फेफड़ों की बीमारियॉ, टी.बी. एंव अन्य बीमारियों की अधिकता को देखते हुए इलाज व्यवस्था की समीक्षा एंव बेहतरी होनी चाहिए गुर्दे की बीमारियों से गैस पीड़ितों में होने वाली मौतों से बचाने के लिए हानिकारक दवाओं खासकर दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल पर नियन्त्रण होना चाहिए।

सम्भावना ट्रस्ट क्लीनिक एक गैर सरकारी संस्था है जो पिछले 22 बर्षों से यूनियन कार्बाइड के ज़हरों से प्रभावित 33 हजार पीड़ितों को मुफ्त इलाज उपलब्ध करवा रही हैं।

डॉ. मृत्युंजय माली (आयुर्वेद चिकित्सक)

तस्नीम ज़ैदी (सामुदायिक शोधकर्मी)

फरहत जहां (सामुदायिक शोधकर्मी)

सन्तोष क्षत्रीय (सामुदायिक शोधकर्मी)

हरिओम विश्वकर्मा (सामुदायिक शोधकर्मी)

शैलेन्द्र चौरसिया (सामुदायिक शोधकर्मी)